शिक्षा

सभी प्रकार की शिक्षा और अभ्यास का उद्देश्य मनुष्य निर्माण ही है। सारे प्रशिक्षणों का अंतिम ध्येय मनुष्य का विकास करता है। जिस अभ्यास से मनुष्य की इच्छा शक्ति का प्रवाह और प्रकाश संयमित होकर फलदायी बन सके, उसी का नाम है शिक्षा। आज हमारे देश को जिस चीज की आवश्यकता है, वह है लोहे की मांस पेशियाँ, फौलाद के स्नायु को दुर्दमनीय प्रचण्ड इच्छा शक्ति जो सृष्टि के गुप्त तथ्यों और रहस्यों को भेद सके और जिस उपाय से भी हो अपने उद्देश्य की पूर्ति करने में सकर्थ हो, फिर चाहे उसके लिए समुद्र तल में ही क्यो न जाना पड़े-साक्षत मृत्यु का ही सामना क्यों न करना पड़े।

- स्वामी विवेकानन्द जी

ऋषभ ट्रेडर्स

सुभाष वार्ड, कन्या शाला रोड, पंचपथ चौक
जगदलपुर, जिला - बस्तर (छ.ग.)
मो. : 094063-42009, 094255-29963
ई-मेल : kuldeep.prakash@rocketmail.com

दुर्ग विश्वविद्यालय

दुर्ग (छ.ग.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

(भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय)

युवा विकास
राष्ट्र विकास

स्वामी श्री विवेकानंद जी
मैं नही तुम
युवा प्रेरणा स्त्रोत

स्वयंसेवक कार्य दैनन्दिनी

★ राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत "B" प्रमाण पत्र एवं "C" प्रमाण पत्र विवरण ॥

राष्ट्रीय सेवा योजना

NATIONAL SERVICE SCHEME

दुर्ग विश्वविद्यालय

दुर्ग (छत्तीसगढ़)

स्वंय सेवक कार्य डायरी

प्रायोजक

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग

भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय

राष्ट्र सेवा के लिए शपथ

1. हम भारत को एक विकसित एवं परम वैभवशाली राष्ट्र बनायेगें ।
2. हम आदर्श नागरिक बनकर देशवासियों को अनुशासित नागरिक बनाने में सहायता करेंगे ।
3. हम अपने घर को सदाचारपूर्ण बनाने, वातावरण को स्वच्छ रखने और पढ़ाई में और अपने कार्य में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अभियान चलायेंगे ।
4. समाज में महिलाओं के प्रति हो रहे अन्याय सहित देश में फैली सामाजिक कुरीतियों को दूर करेंगे और महिलाओं को समाज में सम्मानित स्थान दिलायेंगे ।
5. ज्ञान और उच्च नैतिक मूल्यों द्वारा समाज से भ्रष्टाचार दूर करेंगे ।
6. हम राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र प्रेम द्वारा देश को मजबूत बनायेंगे ।
7. हम लोगों को कानून का पालन करने वाला नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेंगे ।
8. हम वनों की कटाई रोकेंगे और पर्यावरण की रक्षा के लिए नए पेड़ लगाएंगे ।

यह शपथ राष्ट्रीय सेवा योजना गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने आये शिविद्यार्थियों को 28 जनवरी 2005 को राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वारा दिलाई गई ।

राष्ट्रीय सेवा योजना
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

विश्वास

"लोगों के जीवन को उन्नतिशील बनाने के हेतु, जब तुम उन्हें उत्तरदायित्व सौंपते हो जब तुम उनमें, आत्मविश्वास उत्पन्न करते हो, जिसके अभाव में वे कुछ भी नहीं हैं ।" जब उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न हो जाता है तब वे, अति कठिन परिस्थितियों से भी, जूझकर उनका समाधान कर सकते हैं और उनमें यह आत्म विश्वास जागृत करने के लिये आवश्यक है कि, तुम्हें उनकी राष्ट्र निर्माण की शक्ति पर पूरा भरोसा हो ।" "विश्वास से विश्वास उपजता है और प्रजातन्त्र तब पनपता है जब समस्त जन समुदाय विशेष कर समाज के कमजोर वर्गों के लोग पूरी तरह तथ्य को स्वीकार करें ।"

--स्वामी विवेकानन्द--

1. युवाओं में वह क्षमता है, जो असम्भव-से-असम्भव कार्य को भी सम्भव बना देती है ।
2. हे तरुणो! तुम्हारे लिए एक वसीयत छोड़ जाता हूँ और वह है- इस देश के दीन-हीन, असहाय तथा अज्ञानियों के प्रति हार्दिक सहानुभूति और अपने राष्ट्र के प्रति कार्य करने की प्राण-पणा से चेष्टा ।
3. ''नैतिक मूल्यों के अभाव में आज हमारे युवाओं में देशप्रेम की भावना तथा नेतृत्व का अभाव होता जा रहा है, इसलिये भारत का कल्याण सिर्फ मूल्य-आधारित शिक्षा से ही सम्भव है ।''

राष्ट्रीय सेवा योजना
भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय
युवा कार्यालय एवं खेल विभाग
नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित उपक्रम

ऋषभ ट्रेडर्स
सीरासार पंचपथ चौक सुभाषवार्ड जगदलपुर
94063 42009, 94255 29963

प्रमाण पत्र योजना

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों के लिए सुझाए गए 8 कार्यक्षेत्रों को ही इस पाठ्यक्रम का आधार बनाया गया है । प्रमाण पत्रों की श्रेणीबद्धता विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों की क्षमता और रूचि को ध्यान में रखकर की गयी हैं । प्रत्येक प्रमाण–पत्र का पाठ्यक्रम में चयनात्मक गतिविधियाँ निर्धारित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि स्वयंसेवक की इच्छानुसार चयन की जाएगी, ताकि विद्यार्थी का बहुविधि विकास हो सके । यह ध्यान में रखने की बात है कि एक प्रमाण–पत्र के लिए किया गया गतिविधियों का चयन अगले प्रमाण–पत्र में यथा संभव न किया जाए ।

यद्यपि 'ए' एवं 'बी' श्रेणी के प्रमाण–पत्र के लिए कुल 6 क्षेत्रों से गतिविधियाँ चयन की जाएंगी, तथापि जन साक्षरता में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को यह छूट होगी कि वे चयनात्मक समूहों में से तीन गतिविधियों का ही चयन करें।

'ए' प्रमाण–पत्र – यह प्रमाण–पत्र स्कूल पर+2 कक्षाओं में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिवर्ष 120 घण्टे के हिसाब से 2 वर्ष में 240 घण्टे का पाठ्यक्रम सेवाकार्य करने के उपरान्त, मूल्यांकन में सफल होकर प्राप्त किया जा सकता है। अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त प्रत्येक स्वयंसेवक को भाग–1 के प्रत्येक समूह से कम से कम एक ऐच्छिक गतिविधि का चयन कर कार्य करना होगा । इस प्रकार वह 2 वर्षों में 12 गतिविधियों के क्षेत्र में कम से कम 240 घण्टे सेवा कार्य करेगा ।

'बी' प्रमाण–पत्र– इस प्रमाण–पत्र के लिए महाविद्यालय/डाइट पॉलिटेक्निक के उपाधि/पत्रोपाधि/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवक कार्य करेंगे । 'ए' प्रमाण–पत्रधारी स्वयंसेवक, अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–2 के प्रत्येक समूह में से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा और इस प्रकार वर्ष में 6 गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य करेगा । जो स्वयंसेवक 'ए' प्रमाण–पत्र धारी नहीं है वे रासेयो के प्राप्ति वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–1 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा तथा रासेयो के वित्तीय वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–2 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा।

'सी' प्रमाण–पत्र–पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए स्वयंसेवक को 'बी' प्रमाण–पत्रधारी तथा कम से कम 7 दिवसीय पूर्णकालीन शिविर का अनुभव होना आवश्यक है । स्वयंसेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की चयनात्मक गतिविधियों के प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि पर कार्य करेगा तथा स्वयं के द्वारा किये गये कार्य के अनुभव एवं सामाजिक प्रासंगिकता से संबंधित उसके द्वारा प्रस्तुत विषय पर संस्था की रासेयो सलाहाकार समिति द्वारा अनुमोदनोपरान्त, वह 20–30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेक्ट–रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा । इसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय स्तर पर होगा तथा एक समिति द्वारा स्वयं का व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा ।

नियंत्रण कृषि यंत्रों के रख-रखाव एवं प्रशिक्षण में मदद हैण्डपम्प का रख-रखाव ।

चूहों एवं कीटों पर नियंत्रण एवं कीटनाशक औषधियों का प्रयोग । जन सहायोग से संस्था प्रांगण या समुदाय में स्थाई सम्पत्तियों (Assets) का प्रयोग निर्माण जैसे-साईकल स्टैण्ड, मंच पेशाबघर, सामुदायिकम भवन, पंचायत भवन, यात्री प्रतीक्षालय, कुड़ादान आदि ।

भु-रक्षण एवं मिट्टी परीक्षण-नमूने एकत्रित कर वैज्ञानिक विश्लेषण । मिट्टी का उपचार-कार्य । (इस हेतु विषय विशेषज्ञों को स्थानीय स्तर पर बुलाए जाए।)

5. **समाज सेवा कार्य** - झुग्गीवासियों के लिए कार्य, विभिन्न कार्य के लिए सर्वेक्षण । वयोवद्ध विकलांगों एवं निराश्रितों की मदद ।

राष्ट्रीय चेतना तथा सामाजिक उत्थान संबंधी चित्रों/वस्तुओं की प्रदर्शनी सहायता, बचाव तथा पुनर्निर्माण कार्यों में शासकीय अधिकारियों की मदद । विपदाग्रस्त लोगों के लिए आवश्यक सामग्री का संकलन तथा दी जाने वाली सामग्री के वितरण में सहायता ।

6. **अन्य गतिविधियाँ**- क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

किसी की निंदा ना करें, अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो ज़रूर बढ़ाएं अगर नहीं बढ़ा सकते, तो अपने हाथ जोड़िये, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिये, और उन्हें उनके मार्ग पे जाने दीजिये । **-स्वामी विवेकानंद-**

ग्राम व झुग्गी बस्तियों को गोद

सेवा कार्य की निरन्तरता, मूल्यांकन तथा अनुवर्ती कार्य की गति बनाये रखने के लिये प्रत्येक रासेयो इकाई ग्राम झुग्गी बस्ती को गोद लेती है । यह कार्य स्थानीय विकास अधिकारियों से विचार-विमर्श करके किया जा सकता है । तथापि ऐसा कोई भी क्षेत्र जो विद्यार्थियों की सुविधाजनक पहुँच के भीतर (महाविद्यालय/स्कूल/संस्था से 8 किलोमिटर के भीतर) ही चुना जाता है ।

भाग-2 'बी' प्रमाण-पत्र

(+3) विद्यालयोत्तर प्रथम वर्ष रासेयो स्वयंसेवकों के लिए 120 घण्टों का पाठ्यक्रमक ।

अनिवार्य गतिविधियाँ

1. **अभिमुखीकरण** - शैक्षणिक कार्यक्रम - जन शिक्षा साक्षरता कार्यक्रम पर्यावरण शिक्षा, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत ।

आर्थिक विकास, संबंधी योजनाएँ तथा-आई.आर.डी.पी., ट्रायसेम, एन. आर.ई.पी. आदि ।

प्राथमिक चिकित्सा रक्तदान, नेत्रदान एवं एड्स के विषय में जागरूकता ।

नेतृत्व प्रशिक्षण, युवा मण्डल,महिला मण्डल आदि ।

वन प्राणी संरक्षण ।

नागरिकता बोध, यातायात बोध,

प्रांसगिक और तात्कालिक सामाजिक समस्याएँ ।

सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है,
फिर भी हर एक सत्य ही होगा ।
-स्वामी विवेकानंद-

2. **उन्नत ड्रिल पी.टी., योग एवं खेल** – साधारण ड्रिल का अभ्यास कमाण्ड, परेड का संचालन, फाइल फॉर्मेशन, मार्चिंग, सलामी आदि । पी. टी., योग, साधन रहित देशी खेल जैसे–कितने भाई, कितने, जाल–मछली, लीडर पकड़, ऐसे–कैसे, रूमाल झपट्टा आदि ।

चयनात्मक गतिविधियाँ

1. **पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण**– वृक्षारोपण एवं सुरक्षा ।
पुरातत्वीय स्मारकों, वस्तुओं का संरक्षण एवं सुरक्षा ।
धुँआ रहित चूल्हों का निर्माण बायो गैस/गोबर गैस संयंत्र प्रसार और निर्माण में मदद ।

2. **शिक्षा** – निरक्षर, नवसाक्षर लोगों तथा शालात्यागी बच्चों के लिए क्रमाश: शिक्षा, औपचारिकेत्तर शिक्षा जैसे कार्यक्रमों में सक्रियता । समिति द्वारा संचालित रासेयो बुक बैंक के लिए अधिक से अधिक पुस्तकों का संग्रहण । ग्राम/झुग्गी बस्ती/गोदली गई शाला में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित करना । सामुदायिक चेतना के लिए रैलियाँ एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस सप्ताह का आयोजन ।

3. **स्वास्थ्य शिक्षा, परिवार कल्याण एवं पोषण आहार** – स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थय परीक्षण स्वास्थय एवं टीकाकरण ।
रक्तदान एवं तत्संबंधी शिविर ।
नशाखोरी के विरूद्ध अभियान ।

उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता ।

–स्वामी विवेकानंद–

नेत्र एवं स्वास्थय शिविरों में सहायता ।
कुष्ठ रोग के विरूद्ध अभियान तथा कुष्ठ रोगियों की सेवा ।
(इस कार्य हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रों की सहायता प्राप्त की जाए ।)

4. **आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम** –
आई.आर. डी. पी., एन. आर. ई. पी. ट्रायसेस, बैंक–ऋण हितग्राहियों की पहचान और उनके द्वारा लिए गए ऋण तथा उसके लाभ के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण । चूहा एवं कीट नियंत्रण और उर्वरकों का प्रयोग ।
भू–क्षरण रोकने में सहायता, मिट्टी–परीक्षण तथा उपचार । सहकारी संस्थाओं को बढ़ावा देने और उन्हें मजबूत करने में सहयोग ।
अल्पबचत अभियान में प्रत्येक स्वयं सेवक कम से कम 4 खाते खुलवायेगा।

5. **समाज सेवा के अन्य कार्य** – युवक मण्डल एवं महिला मण्डलों के गठन में सहयोग ।
आपदाग्रस्त लोगों की सहायता एवं बचाव कार्य में अधिकारियों की मदद ।
सामाजिक बुराइयों तथा बाल विवाह, दहेज प्रथा, अत्यधिक खर्चीलेपन के निवारण के लिए समुह बैठकों एवं परिचर्चाओं का आयोजन सामूहिक विवाहों के लिए जागरूकता पैदा करना । वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रचार–प्रसार, भारतीयता का गौरव, जनतांत्रिक एवं सर्वधर्म समभाव मूल्य, भारतीय संस्कृति एवं धरोहर संरक्षण कार्य ।

ब्रह्माण्ड कि सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं, वो हमीं हैं जो अपनी आँखों पर हाथ रखा लेते है और फिर रोते हैं कि कितना अन्धकार है । –स्वामी विवेकानंद–

6. **अन्य गतिविधयाँ** :- क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

'सी' प्रमाण-पत्र

अनिवार्य गतिविधियाँ

1. **अभिमुखीकरण (अभिविन्यास)** -'ए' और 'बी' प्रमाण-पत्र के लिए कार्यरत स्वयंसेवक के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में (स्वयं की या अन्य संस्थाओं) निर्धारित विषयों पर कम से कम 20 घण्टों की सक्रिय भागीदारी ।
2. **ड्रिल पी.टी., योग और खेल** - परेड संचालन, योग पी.टी. और देशी खेलों का (रासेयो स्वयं सेवकों के लिए) संचालन ।
3. **प्रोजेक्ट रिपोर्ट** - स्वयं किये गये कार्य की सामाजिक प्रासंगिकता से संबंधित विषय पर 20-30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेश्ट रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना ।
4. **कार्यक्रम संयोजन** - 10 दिवसीय रासेयो शिविर के आयोजन और इकाई की गतिविधियों में कार्यक्रम अधिकारी की सहायता ।

चयनात्मक गतिविधियाँ

1. **पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण** - सोख्ता/खाद के गड्ढों, बायोगैस/ ऊर्जा संयंत्रों का प्रदर्शन । वृक्षारोपण कार्य का प्रदर्शन फल,वन एवं पथ वृक्षों के बारे में पर्याप्त जानकारी अपेक्षित 'ए' और 'बी'

इस दुनिया में सभी भेद-भाव किसी स्तर के हैं, ना कि प्रकार के, क्योंकि एकता ही सभी चीजों का रहस्य है ।

-स्वामी विवेकानंद-

प्रमाण-पत्र वाले रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा संचित वृक्षों/पौधों की रक्षा एवं उसका हिसाब (वन क्षेत्र में रोपित पौधों को छोड़कर) ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतों का सक्रिय प्रदर्शन ।

वन जीवन संरक्षण -जागरूकता अभियान में भागीदारी।

2. **शिक्षा** - क्रियात्मक जन शिक्षा एवं अन्य साक्षरता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी तथा पर्यवेक्षण ।

रासेयो बुक बैंक को समृद्ध करना तथा संग्रहण द्वारा कम से कम दो पुस्तकों का योगदान, जरूरतमंद छात्रों को पुस्तक प्रदाय में मदद ।

संस्था द्वारा गोष्ठियों, भित्तिचित्र, नाटक,मॉक पार्लियामेंट, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन ।

सामुदायिक चेतना के लिए रैलियों का आयोजन एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस/सप्ताह का आयोजन ।

3. **स्वास्थ्य शिक्षा,परिवार कल्याण एवं पोषण आहार**-स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रमों का आयोजन ।

रक्तदान शिविरों का आयोजन/भागीदारी ।

एड्स एवं कुष्ठरोग विरोधी अभियान एवं कुष्ठरोगियों की सेवा ।

नशा विरोधी अभियान चलाना और वातावरण तैयार करना ।

4. **आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम**- आई.आर.डी.पी., एन.आर.ई.पी., ट्रायसेम, रोजगार मूलक तथा विकासात्मक कार्यों के लिए सर्वेक्षण में मार्गदर्शन एवं

विश्व एक व्यायाम शाला है जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं ।

-स्वामी विवेकानंद-

पर्यवेक्षण, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थय एवं अन्य कार्यक्रमों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों/संदर्भ व्यक्तियों के व्याख्यानों का आयोजन करना ।

सहकारिता की उन्नति और मजबूती के लिए कार्य ।

अल्प बचत योजना का प्रचार-प्रसार (प्रत्येक स्वयंसेवी कम से कम 5 खाते खुलावायेगा)

5. **समाज सेवा के अन्य कार्य**

कम से कम एक महिला मण्डल/युवक मण्डल के निर्माण में सहायता ।

संस्था परिसर का सफाई अभियान।

आपदा-प्रबंध (डिजेस्टर मैनेजमेंट) संबंधी गतिविधियों एवं बचाव कार्यों में आवश्यकतानुसार मदद । भारतीय संस्कृत एवं राष्ट्रीय धरोहर/स्मारक का अनुरक्षण।

पंचायती राज के बारे में जागरुकता ।

6. जल संरक्षण एवं प्रबंध के कार्य में सक्रिय भागीदारी एवं प्रेरणा का कार्य करना ।

7. **अन्य गतिविधियाँ** - क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है, ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है, अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं ।

-स्वामी विवेकानंद-

हम जितना ज्यादा बाहर जायें और दूसरों का भला करें, हमारा हृदय उतना ही शुद्ध होगा, और परमात्मा उसमें बसेंगे ।

-स्वामी विवेकानंद-

सामाजिक चेतना हेतु महत्वपूर्ण सप्ताह एवं दिवस

क्र.	उत्सव विवरण	तिथि एवं माह
1.	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
2.	राष्ट्रीय युवा सप्ताह	12 से 19 जनवरी
3.	गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी
4.	महिला दिवस	8 मार्च
5.	विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
6.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
7.	अग्निरोधक दिवस	14 अप्रैल
8.	वसुन्धरा दिवस	22 अप्रैल
9.	तम्बाकू निरोध दिवस	31 मई
10.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
11.	स्वतंत्रता आन्दोलन दिवस	8 अगस्त
12.	विश्व युवा दिवस	12 अगस्त
13.	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
14.	सद्भावना दिवस	20 अगस्त
15.	सद्भावना मानव - श्रृंखला	22 अगस्त
16.	पोषण आहार सप्ताह	1-7 सितम्बर
17.	शिक्षक दिवस	5 सितम्बर

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है, अन्यथा, ये सिर्फ बुराई का ऐ ढेर है, और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाये उतना बेहतर है ।

-स्वामी विवेकानंद-